Daily Gospel Reflections in Hindi

21 August 2019

मत्ती 9 : 35 – 10 : 1

Jesus' Compassion towards the people

आज के सुसमाचार में देखते कि प्रभु येसु कफरनाहूम नगर आये और विश्राम दिवस में लोगों को शिक्षा दी। सुसमाचार में हम कई जगह देखते कि किवे विश्राम के दिन लोगों को शिक्षा देते थे क्योंकि वे जानते थे विश्राम के दिन लोगों के पास समय है कि वे परम पिता के वचनों को सुन सके। पिता ईश्वर हमारे जीवन में कई चमत्कार दिखाते हैं लेकिन हम उन के चमत्कारों एवं वचनों को ईसा के समान अधिकार से नहीं बोल पाते। ईसा जब लोगों को शिक्षा देते तब लोग आश्चर्य में पड़ जाते थे कि वे कितने अधिकार के साथ शिक्षा देते हैं।

ईश्वर ने हमारे शरीर से अशुद्ध आत्मा को निकाल दिया है पर कुछ और है जो हमें स्वयं अपने मन और शरीर से निकालना है वह है – दूसरों के प्रति, घृणा, ईर्ष्या, क्रोध और बैर। हमारी आत्मा तभी शुद्ध होगी जब हम इन सब बुराईयों को अपने से बाहर निकाल कर ईश्वर की स्तुति करेंगें और हमें ईश्वर के कई चमत्कार देखने को भी मिलेगा। ईसा ने विश्राम दिवस के दिन शिक्षा दी, क्या हम अपने विश्राम दिवस में ईश्वर के लिये समय देते हैं? या विश्राम दिवस में बस विश्राम करना चाहते हैं। ईश्वर हमारे लिए समय निकाल सकतें हैं तो क्या हम उनके लिए समय नहीं दे सकते? हम सब इस बात पर मनन करें और ईश्वर से प्रार्थना करते रहें ताकि हम उनके चमत्कारों को देख और अनुभव कर सकें। आमेंन!

Rev. Fr. Anil Francis

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019